दैनिक जागरण 27/12/2024

पुआल को जलाएं नहीं, इसे मिट्टी में मिलाएं... मिलेगा 30 किग्रा नाइट्रोजन

जासं, कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर की ओर से गुरुवार को जय जागेश्वर इंटर कालेज शिवली में फसल अवशेष प्रबंधन योजना कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कृषि विज्ञानियों ने छात्र-छात्राओं के साथ जागरूकता रैली निकाल कर किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन के फायदे बताए।

सीएसए विज्ञानियों ने स्कूली बच्चों के साथ जागरूकता रैली निकाल कर किसानों को बताया फसल अवशेष प्रबंधन का लाभ ● संस्थान

सीएसए मृदा विज्ञानी डा. खलील खान ने बताया कि एक टन पुआल को जलाने के बजाय अगर मिट्टी में मिला दिया जाए तो 20 से 30 किलोग्राम नाइट्रोजन, 60 से 70 किलो पोटाश, पांच से सात किलो सल्फर और 600 किलो तक आर्गेनिक कार्बन मिट्टी मिलती है। इससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ती है। पशुपालन विज्ञानी डा. शशिकांत ने बताया कि फसल अवशेष जलाने से कार्बन मोनोआक्साइड, कार्बन डाइआक्साइड, सल्फर डाइआक्साइड जैसी हानिकारक गैसें उत्सर्जित होती हैं, जो फेफड़ों के लिए घातक होती हैं। प्रबंधक नवीन तिवारी, शुभम यादव, गौरव शुक्ला, रमाशंकर शुक्ल, रजत कटियार व प्रधानाचार्य अपर्णा उपस्थित रहीं।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्षः 16 अंक : 185 कानपुर, शुक्रवार 27 दिसम्बर 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्यः 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

फसल अवशेष खेतों में न जलाने को परिवारों को करेंगे प्रेरित

कानपुर । सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन योजना अंतर्गत स्कूल स्तरीय छात्र छात्राओं हेतु जागरूकता कार्यक्रम जय जागेश्वर इंटर कॉलेज शिवली में आयोजित किया गया। जिसमें मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने छात्र-छात्राओं को बताया कि फसल अवशेषों को आग लगा देने से हानिकारक गैसों से मनुष्य के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। उन्हें सांस लेने में तकलीफ तथा आंखों में जलन होने लगती है।

डॉक्टर खान ने बताया कि इसी एक टन पुआल को यदि मिट्टी में मिला दिया जाए तो 20 से 30 किलोग्राम नाइट्रोजन, 60 से 70 किलोग्राम पोटाश, 5 से 7 किलोग्राम सल्फर तथा 600 किलोग्राम ऑर्गेनिक कार्बन मिट्टी को मिल जाता है।जिससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ती है। उन्होंने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन के लिए स्ट्रॉ रीपर, स्ट्रॉ बेलर ,हैप्पी सीडर तथा मल्चर आदि यंत्रों का प्रयोग किया जाता है। पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने बताया की फसल अवशेष जलाने से कार्बन मोनोऑक्साइड,कार्बन डाइऑक्साइड,सल्फर डाइऑक्साइड जैसी गैसे उत्सर्जित होती है। जिससे वातावरण प्रदूषित होता है। प्रबंधक नवीन तिवारी ने पहले शपथ पढ़कर सुनाया। फिर बारी-बारी से शिक्षकों व बच्चों ने शपथ ली। इस मौके पर शुभम यादव,गौरव शुक्ला, रमाशंकर शुक्ल, रजत कटियार एवं प्रधानाचार्य अपर्णा तिवारी सहित सभी छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

स्कूल के बच्चों ने ली शपथ, कहा-फसल अवशेष खेतों में न जलाने हेतु परिवारों को करेंगे प्रेरित

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन योजना अंतर्गत स्कूल स्तरीय छात्र छात्राओं हेतु जागरूकता कार्यक्रम जय जागेश्वर इंटर कॉलेज शिवली में आयोजित किया गया। जिसमें मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने छात्र-छात्राओं को बताया कि फसल अवशेषों को आग लगा देने से हानिकारक गैसों से मनुष्य के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। उन्हें सांस लेने में तकलीफ तथा आंखों में जलन होने लगती है। डॉक्टर खान ने बताया कि इसी एक टन पुआल को यदि मिट्टी में मिला दिया जाए तो 20 से 30 किलोग्राम नाइट्रोजन, 60 से 70 किलोग्राम पोटाश, 5 से 7 किलोग्राम सल्फर तथा 600 किलोग्राम ऑर्गेनिक कार्बन मिट्टी को मिल जाता है जिससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ती है। उन्होंने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन के लिए स्ट्रॉ रीपर, स्ट्रॉ बेलर ,हैप्पी सीडर तथा मल्चर आदि यंत्रों का प्रयोग किया जाता है। पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने बताया की फसल अवशेष जलाने से कार्बन मोनोऑक्साइड,कार्बन डाइऑक्साइड,सल्फर डाइऑक्साइड जैसी गैसे उत्सर्जित होती है। जिससे वातावरण प्रदूषित होता है। प्रबंधक श्री नवीन तिवारी ने पहले शपथ पढ़कर सुनाया। फिर बारी-बारी से शिक्षकों व बच्चों ने शपथ ली। इस मौके पर शुभम यादव,गौरव शुक्ला, रमाशंकर शुक्ला, रजत कटियार एवं प्रधानाचार्य अपर्णा तिवारी सहित सभी छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

मौसम
अधिकतम तापमान 23.c
09.c न्यूनतम तापमान
बाजार
सोना 78.840g
चांदी 91.000kg
सेंसेक्स 81,053.19

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
यूपी मैसेंजर
जनता की आवाज

04 संविधान, आरक्षण और डॉ अंबेडकर पर कांग्रेस की विकृत राजनीति हो रही बेनकाब
तमन्ना की अरनमनई 4 इस साल की 10 सबसे ज्यादा

वर्ष :10 अंक :316 लखनऊ से प्रकाशित लखनऊ ,शुक्रवार 27 दिसम्बर 2024 पृष्ठ : 08

फसल अवशेष खेतों में न जलाने हेतु परिवारों को करेंगे प्रेरित

यूपी मैसेंजर संवादाता

कानपुर, सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन योजना अंतर्गत स्कूल स्तरीय छात्र छात्राओं हेतु जागरूकता कार्यक्रम जय जागेश्वर इंटर कॉलेज शिवली में आयोजित किया गया। जिसमें मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने छात्र-छात्राओं को बताया कि फसल अवशेषों को आग लगा देने से हानिकारक गैसों से मनुष्य के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। उन्हें सांस लेने में तकलीफ तथा आंखों में जलन होने लगती है। डॉक्टर खान ने बताया कि इसी एक टन पुआल को यदि मिट्टी में मिला दिया जाए तो 20 से 30 किलोग्राम नाइट्रोजन, 60 से 70 किलोग्राम पोटाश, 5 से 7 किलोग्राम सल्फर तथा 600 किलोग्राम ऑर्गेनिक कार्बन मिट्टी को मिल जाता है ।जिससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ती है। उन्होंने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन के लिए स्ट्रॉ रीपर, स्ट्रॉ बेलर ,हैप्पी सीडर तथा मल्चर आदि यंत्रों का प्रयोग किया जाता है। पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर शशिकांत ने बताया की फसल अवशेष जलाने से कार्बन मोनोऑक्साइड,कार्बन डाइऑक्साइड,सल्फर डाइऑक्साइड जैसी गैसे उत्सर्जित होती है। जिससे वातावरण प्रदूषित होता है। प्रबंधक श्री नवीन तिवारी ने पहले शपथ पढ़कर सुनाया। फिर बारी-बारी से शिक्षकों व बच्चों ने शपथ ली। इस मौके पर शुभम यादव, गौरव शुक्ला, रमाशंकर शुक्ल, रजत कटियार एवं प्रधानाचार्य अपर्णा तिवारी सहित सभी छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

शामिल करना, नवाचार, नैतिकता और नेतृत्व

अमर उजाला 27/12/2024

सीएसए में हुई प्रतियोगिता में आदर्श कुमार अव्वल

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि में फ्रंटियर साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर डेवलप्ड इंडिया विषय पर प्रतियोगिता हुई। प्रतियोगिता का परिणाम भाषा, छात्र-छात्राओं के भावों तथा उत्तर के आधार पर घोषित किया गया।

कृषि महाविद्यालय की इकाई दो के छात्र आदर्श कुमार यादव प्रथम, बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर कृषि एवं प्रौद्योगिकी विद्यालय की इकाई चार की छात्रा नंदिनी अग्रवाल द्वितीय स्थान पर रहीं। इकाई दो के अतीक्ष श्रीवास्तव तृतीय और इकाई चार की रिया मौर्य चतुर्थ स्थान पर रहीं। आयोजन अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. मुनीश कुमार के निर्देशन में कृषि प्रसार विभाग के कमेटी हॉल में किया गया। आदर्श यादव और नंदिनी अग्रवाल को 27 दिसंबर को आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, अयोध्या में आयोजित जोनल प्रतियोगिता में शामिल होने का मौका मिलेगा। (ब्यूरो)

मौसम
अधिकतम तापमान 23.c
09.c न्यूनतम तापमान
बाजार
सोना 78.840g
चांदी 91.000kg
सेंसेक्स 81,053.19

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
यूपी मैसेंजर
जनता की आवाज

04

वर्ष :10 अंक :316 लखनऊ से प्रकाशित लखनऊ ,शुक्रवार 27 दिसम्बर 2024 पृष्ठ : 08

कृषि प्रसार विभाग कमेटी हाल में छात्र छात्राओं हेतु एलोकेशन कॉन्टेस्ट

यूपी मैसेंजर संवाददाता

कानपुर, सीएसए में अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ मुनीश कुमार के निर्देशन में एलोकेशन कॉन्टेस्ट का आयोजन किया गया। कॉन्टेस्ट हेतु डॉक्टर अर्चना सिंह, कार्यक्रम समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना को नोडल ऑफिसर नामित किया गया एलोक्यूशन कॉन्टेस्ट का टॉपिक ₹फ्रंटियर साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर डेवलप्ड इंडिया₹ था कॉन्टेस्ट का आयोजन कृषि प्रसार विभाग के कमेटी हॉल में किया गया प्रतियोगिता में राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई 1, 2 ,3, 4, 5 एवं 6 के सभी स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया सभी छात्र-छात्राओं ने उक्त विषय पर पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से अपनी अभिव्यक्ति की जिसकी जजिंग, विषय में सम्मिलित कंटेंट, लैंग्वेज, छत्र- छात्राओं के एक्सप्रेशन तथा प्रश्न एवं उत्तर के आधार पर की गई उक्त कॉन्टेस्ट की जजिंग समिति में डॉक्टर लोकेंद्र सिंह, कार्यक्रम अधिकारी इकाई 6, डॉक्टर रश्मि सिंह, कार्यक्रम अधिकारी इकाई तीन , डॉ कौशल कुमार विभागाध्यक्ष, एग्रोफोरेस्ट्री विभाग, डॉक्टर विवेक कुमार त्रिपाठी विभागाध्यक्ष, उद्यान विभाग तथा वरिष्ठ प्राध्यापक डॉक्टर एच सी सिंह, कृषि रसायन विभाग ने प्रतिभागियों के चयन के साथ-साथ उन्हें जोनल एलोक्यूशन कॉन्टेस्ट में भाग लेने हेतु दिशा निर्देश भी दिए इस प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय की इकाई दो के छात्र आदर्श कुमार यादव प्रथम स्थान पर रहे तथा बाबा साहब भीमराव अंबेडकर कृषि एवं प्रौद्योगिकी विद्यालय की इकाई 4 की छात्रा नंदिनी अग्रवाल द्वितीय स्थान पर रही दो प्रतिभागियों को रनर अप के तौर पर चुना गया, जिसमें इकाई 2 के अतीक्ष श्रीवास्तव तृतीय और इकाई 4 की रिया मौर्य चतुर्थ स्थान पर रही प्रतियोगिता में प्रथम एवं द्वितीय स्थान पर चुने गए आदर्श कुमार यादव एवं नंदिनी अग्रवाल 27 दिसंबर 2024 को आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, अयोध्या में आयोजित जोनल लोकेशन कॉन्टैक्ट में भाग प्रतिभाग करने का सुअवसर दिया जाएगा

सत्य का असर समाचार पत्र

27,12,2024 jksingh hardoi gmail com मोबाइल नंबर 9956834016

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

सीएसए में हुआ छात्र छात्राओं हेतु एलोकेश कॉन्टेस्ट का आयोजन

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल सत्य का असर समाचार पत्र कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ मुनीश कुमार के निर्देशन में एलोकेश कॉन्टेस्ट का आयोजन किया गया। कॉन्टेस्ट हेतु डॉक्टर अर्चना सिंह,कार्यक्रम समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना को नोडल ऑफिसर नामित किया गया। एलोक्यूशन कॉन्टेस्ट का टॉपिक "फ्रंटियर साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर डेवलप्ड इंडिया" था। कॉन्टेस्ट का आयोजन कृषि प्रसार विभाग के कमेटी हॉल में किया गया। प्रतियोगिता में राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई 1, 2 ,3, 4, 5 एवं 6 के सभी स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। सभी छात्र-छात्राओं ने उक्त विषय पर पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से अपनी अभिव्यक्ति की। जिसकी जजिंग, विषय में सम्मिलित कंटेंट, लैंग्वेज, छत्र-छात्राओं के एक्सप्रेशन तथा प्रश्न एवं उत्तर के आधार पर की गई। उक्त कॉन्टेस्ट की जजिंग समिति में डॉक्टर लोकेंद्र सिंह, कार्यक्रम अधिकारी इकाई 6, डॉक्टर रश्मि सिंह, कार्यक्रम अधिकारी इकाई तीन , डॉ कौशल कुमार विभागाध्यक्ष, एग्रोफोरेस्ट्री विभाग, डॉक्टर विवेक कुमार त्रिपाठी विभागाध्यक्ष,उद्यान विभाग तथा वरिष्ठ प्राध्यापक डॉक्टर एच सी सिंह, कृषि रसायन विभाग ने प्रतिभागियों के चयन के साथ-साथ उन्हें जोनल एलोक्यूशन कॉन्टेस्ट में भाग लेने हेतु दिशा निर्देश भी दिए। इस प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय की इकाई दो के छात्र *आदर्श कुमार यादव* प्रथम स्थान पर रहे तथा बाबा साहब भीमराव अंबेडकर कृषि एवं प्रौद्योगिकी विद्यालय की इकाई 4 की छात्रा *नंदिनी अग्रवाल* द्वितीय स्थान पर रही। दो प्रतिभागियों को रनर अप के तौर पर चुना गया, जिसमें इकाई 2 के अतीक्ष श्रीवास्तव तृतीय और इकाई 4 की रिया मौर्य चतुर्थ स्थान पर रही। प्रतियोगिता में प्रथम एवं द्वितीय स्थान पर चुने गए आदर्श कुमार यादव एवं नंदिनी अग्रवाल दिनांक 27 दिसंबर 2024 को आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, अयोध्या में आयोजित जोनल लोकेशन कॉन्टैक्ट में भाग प्रतिभाग करने का सुअवसर दिया जाएगा।

News Banner Maker

दैनिक भास्कर
भारत का सबसे विश्वसनीय न्यूज ऐप
इनस्टॉल करें दैनिक भास्कर और पाएं लोकल न्यूज
GET IT ON Google Play
Download on the App Store